साप्ताहिक अखबार
मूल्य - 00
पृष्ठ सं.- 2

अब आप SA News WhatsApp Channel से भी जुड़ सकते हैं।

SA News WhatsApp group

वीडियो न्यूज़ देखने के लिए पीडीएफ में आईकन वाली न्यूज़ पर क्लिक करें।

SA NEWS
सच जो आप जानना चाहते हैं।

दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, बिहार
पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, असम, गोवा से प्रकाशित साप्ताहिक न्यूज़ ई-पेपर

सुविचार

जब मेरे शिष्य सत्संग सुनने आते हैं तो साध संगत को देखकर मेरे को खुशी होती है कि सब भक्ति पर लगे हैं। कोई विचलित नहीं हुआ है। जब यह सत्संग के पश्चात जाते हैं तो मायूसी छा जाती है कि कहीं कोई सिरफिरा इनको भ्रमित करके परमात्मा से दूर न कर दे। - **संत नानक जी**

नई दिल्ली, सोमवार, 28 अप्रैल 2025
www.sanews.in

विक्रमी सम्वत 2082, सोमवार, तिथि :- 2 द्वितीय, पक्षः-शुक्ल पक्ष, माहः-बैशाख, अंक : 154 पृष्ठ : 2, मूल्य निःशुल्क

बायना बीच पर संत रामपाल जी महाराज के शिष्यों द्वारा पुस्तक सेवा का आयोजन

गोवा | शनिवार को बायना बीच पर संत रामपाल जी महाराज जी के शिष्यों द्वारा एक विशेष पुस्तक सेवा अभियान आयोजित किया गया, जिसमें 150 पुस्तकों का वितरण किया गया। इस सेवा के अंतर्गत "ज्ञान गंगा", "जीने की राह," और "गीता तेरा ज्ञान अमृत" जैसी पवित्र पुस्तकों का वितरण किया गयासेवा का उद्देश्य जन-जन तक वास्तविक आध्यात्मिक ज्ञान पहुँचाना और मानव जीवन के मूल उद्देश्य मोक्ष प्राप्ति का सरल मार्ग बताना था। इन पुस्तकों में वेद, गीता और अन्य धार्मिक ग्रंथों से प्रमाण सहित यह स्पष्ट किया गया है कि पूर्ण परमात्मा कौन है? और तत्वदर्शी संत की पहचान क्या है? यह पुस्तकें साधकों को शास्त्रानुसार भक्ति विधि अपनाकर जीवन के कष्टों से मुक्ति और मोक्ष प्राप्ति की राह दिखाती हैं। पुस्तक का मूल्य मात्र ₹20 रखा गया है, जबकि नि:शुल्क प्रति प्राप्त करने के लिए इच्छुक लोग 8222880541 पर संपर्क कर सकते हैं। यह सेवा गोवा में आध्यात्मिक जागरूकता फैलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास रही।

पहलगाम आतंकी हमला: 26 की मौत, भारत-पाक तनाव चरम पर

राजस्थान। एस ए न्यूज़

पहलगाम, 27 अप्रैल 2025 | जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो विदेशी नागरिक (संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल से एक-एक) शामिल थे, और 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इस घटना ने भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है।

22 अप्रैल को दोपहर 2:45 बजे, पहलगाम की बैसरन घाटी में चार आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। आतंकियों ने सुरक्षा बलों की वर्दी पहनी हुई थी और उन्होंने गोलियों से पर्यटकों को निशाना बनाया। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के विंग 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' ने ली। सूत्रों के अनुसार, यह हमला सुनियोजित प्रतीत होता है, क्योंकि आतंकियों ने आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, मालदीव समेत दर्जनों देशों ने हमले के खिलाफ भारत के साथ अपनी एकजुटता जताई। ताजा अपडेट के अनुसार, NIA द्वारा लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े चार आतंकियों की तस्वीरें जारी की गई हैं तथा एजेंसी हमले की जांच कर रही है। 24 अप्रैल को राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक में सभी दलों ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता जताई।

भारत द्वारा पहलगाम हमले के बाद उठाए गए कदम:

- 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित किया।
- अटारी चेक पोस्ट को तत्काल बंद किया।
- पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में भारत छोड़ने का आदेश।
- पाकिस्तानी उद्योगों के रक्षा सलाहकारों को अवांछित घोषित किया।
- सैन्य सलाहकारों के पांच सहयोगी स्टाफ को वापस बुलाया।
- उद्योगों में कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 की।
- भारत के खिलाफ चरमपंथियों को सख्त चेतावनी।

पाकिस्तान द्वारा भारत की कार्रवाई के जवाब में उठाए गए कदम:

- शिमला समझौते सहित सभी द्विपक्षीय समझौते और व्यापार निलंबित।
- भारत के लिए हवाई क्षेत्र और वाघा सीमा बंद।
- सिंधु जल संधि के तहत पानी रोकने को 'युद्ध की कार्रवाई' माना जाएगा।
- भारतीय रक्षा सलाहकारों और सहयोगियों को देश छोड़ने का आदेश।

संत रामपाल जी महाराज के सत्संग में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

एस ए न्यूज़ । पंजाब

पंजाब के लुधियाना, जगराओं, पठानकोट, चंडीगढ़, गढ़शंकर, होशियारपुर, मुक्तसर और बठिंडा में 27 अप्रैल 2025 को संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों द्वारा एक दिवसीय सत्संग का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शास्त्र आधारित सच्चे भक्ति मार्ग के प्रचार के उद्देश्य से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सत्संग में संत रामपाल जी महाराज के प्रवचनों को प्रोजेक्टर के माध्यम से सुनाया गया। गीता, वेद, पुराण और अन्य ग्रंथों के प्रमाणों के साथ समझाया गया कि मनुष्य जीवन का असली उद्देश्य मोक्ष प्राप्ति है, जो केवल शास्त्रानुसार साधना और पूर्ण संत की शरण से संभव है। संत जी ने कहा कि मात्र परंपरागत पूजा-पाठ और तीर्थयात्राएं मोक्ष नहीं दिला सकतीं। उन्होंने गीता अध्याय 17, श्लोक 23 के आधार पर "ॐ तत् सत" मंत्र का गूढ़ रहस्य बताया और समझाया कि सतनाम और सारनाम ही आत्मा को परमात्मा से मिलाने का सेतु हैं। राम, कृष्ण, विष्णु और शिव जैसे देहधारी देवताओं की पूजा को संत जी ने सांसारिक फल तक सीमित बताया। सत्संग में यह भी बताया गया कि संत रामपाल जी महाराज के बताए मार्ग से लाखों लोग नशा, अंधविश्वास, पाखंड और कुरीतियों से मुक्त होकर शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में चाय-बिस्कुट का प्रसाद वितरित किया गया। कई श्रद्धालुओं ने नाम दीक्षा ली और सतभक्ति का संकल्प लिया।

दिल्ली में संत रामपाल जी का प्रेम और भाईचारे का संदेश

दिल्ली, 27 अप्रैल 2025 | दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों नजफगढ़, द्वारका, सुदर्शन पार्क, आजादपुर, मंडोली, करावल नगर, पालम, जैतपुर, चिराग दिल्ली, अलीपुर और कोंडली में संत रामपाल जी महाराज का एक दिवसीय सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया गया।सत्संग में संत रामपाल जी महाराज ने प्रेम, भाईचारे और मानवता का संदेश देते हुए बताया कि सभी जीव एक ही परमात्मा की संतान हैं। मार्गदर्शन के अभाव में मानव जाति मजहब और जातियों में बंट गई, जिससे सामाजिक दूरियां और भ्रष्टाचार बढ़ा। उन्होंने समाधान बताते हुए कहा कि केवल शास्त्रसम्मत आध्यात्मिक ज्ञान से ही इन समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है।

संत रामपाल जी महाराज का समाज सुधार में अतुलनीय योगदान है। उनके ज्ञान से लाखों अनुयायी नशा, भ्रष्टाचार और अन्य बुराइयों को त्याग चुके हैं और प्रेमभाव से जीवन जी रहे हैं। अन्य साधुओं के अनुयायियों में जहाँ भ्रमित ज्ञान के कारण बुराइयां बनी रहती हैं, वहीं संत रामपाल जी के अनुयायी पूर्ण रूप से शुद्ध जीवनशैली अपनाते हैं। संत रामपाल जी महाराज का सतज्ञान और समाज सुधार कार्य अतुलनीय मिसाल बन चुका है।

खास खबरें

'जीने की राह' से नशा मुक्ति की पहल

हिमाचल प्रदेश के प्रत्येक जिले और गांव में संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों ने घर-घर जाकर शास्त्र आधारित पुस्तकें "ज्ञान गंगा", "जीने की राह", और "गीता तेरा ज्ञान अमृत" वितरित कीं। इस अभियान का उद्देश्य जन जन को शास्त्रानुसार भक्ति की दिशा में जागरूक करना था। इस सेवा में बड़ी संख्या में अनुयायी शामिल हुए, जिसमें बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इन पुस्तकों में सभी धर्मों के पवित्र ग्रंथों से प्रमाण सहित शास्त्रानुकूल भक्ति विधि बताई गई है।

"जीने की राह" पुस्तक विशेष चर्चा का विषय बनी, खासकर हिमाचल प्रदेश में चिट्टे के नशे का प्रभाव बढ़ रहा है। इस पुस्तक में नशे के कुप्रभावों और उसकी दुर्गति के बारे में विस्तार से बताया गया है। कई लोगों ने इस पुस्तक को पढ़ने के बाद नशा छोड़ने का संकल्प लिया और जीवन को सही दिशा देने की प्रेरणा प्राप्त की। संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों ने दावा किया है कि यदि कोई व्यक्ति नशे में लिप्त है और चाहकर भी नशा नहीं छोड़ पा रहा है, तो वह संत रामपाल जी महाराज से नि:शुल्क नाम दीक्षा लेकर मर्यादा में रहकर भक्ति करने से नशे से छुटकारा पा सकता है।

सत्संग में भक्ति, सेवा और समाज सुधार का आह्वान

पानीपत, 27 मार्च 2025 | पानीपत में संत रामपाल जी महाराज के दिव्य सान्निध्य में एकदिवसीय सत्संग भव्यता से सम्पन्न हुआ। संत जी ने सत्संग में दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या, भ्रष्टाचार और नशाखोरी जैसी सामाजिक बुराइयों पर प्रहार करते हुए शास्त्रसम्मत भक्ति का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि पूर्ण मोक्ष केवल तत्वदर्शी संत के मार्गदर्शन से संभव है और परमात्मा कबीर साहेब ही पूर्ण ब्रह्म हैं। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने दहेजमुक्त विवाह और नशा मुक्ति का संकल्प लिया तथा प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

रक्तदान: संत रामपाल जी के शिष्य हर मुश्किल में नि:स्वार्थ सेवा में जुटे

चांपा, छत्तीसगढ़ | NKH हॉस्पिटल, चांपा में भर्ती गर्भवती युवती देवकुमारी दासी (पत्नी - रामकुमार दास) को चिकित्सकों ने रक्त की तत्काल आवश्यकता बताई। जैसे ही यह सूचना संत रामपाल जी महाराज के शिष्यों तक पहुँची, भक्त संपत दास और भक्त रवि दास ने तुरंत हॉस्पिटल पहुँचकर तीन यूनिट रक्तदान किया और मानवता की एक अनुपम मिसाल प्रस्तुत की।संत रामपाल जी महाराज के दिव्य प्रवचनों से समाज में मानवता के मूल्यों का जागरण हो रहा है। उनके अनुयायी समाज कल्याण के कार्यों में तन-मन-धन से सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। वे समय-समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन करते हैं और ज़रूरतमंदों को निःस्वार्थ सेवा प्रदान करते हैं।संत रामपाल जी महाराज की शिक्षाएँ सहानुभूति, करुणा और सेवा भावना को बढ़ावा देती हैं। वे सिखाते हैं कि सभी जीव एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और मानवता की सेवा करना हमारे जीवन का मुख्य उद्देश्य है। उनके शिष्य सदैव समाज सेवा में अग्रणी रहते हुए इस प्रेरणा को फैलाते हैं।

खजुराहो के गाँवों में पहुँची ज्ञान गंगा: संत रामपाल जी की पुस्तक से जन-जन हुआ जागरूक

एस ए न्यूज़ ।म.प्र.

खजुराहो (म.प्र.), 25 अप्रैल 2025 | खजुराहो के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में एक विशेष पुस्तक सेवा अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत संत रामपाल जी महाराज द्वारा रचित पवित्र पुस्तक 'ज्ञान गंगा' गाँव-गाँव जाकर उचित मूल्य पर वितरित की गई। ग्रामीणों ने इस सेवा को अत्यंत श्रद्धा और उत्सुकता के साथ अपनाया। जब उन्हें बताया गया कि 'ज्ञान गंगा' में भगवान प्राप्ति का वास्तविक मार्ग, पूर्ण संत की पहचान तथा समाज में व्याप्त अंधविश्वासों से मुक्ति का उपाय वर्णित है, तो लोगों ने प्रसन्नतापूर्वक पुस्तक ग्रहण की और अध्ययन का संकल्प लिया। सेवकों ने समझाया कि 'ज्ञान गंगा' साधारण पुस्तक नहीं, बल्कि मोक्ष मार्ग की ओर ले जाने वाली एक दिव्य ज्ञानधारा है। यह केवल पुस्तक वितरण का कार्य नहीं था, बल्कि एक आध्यात्मिक क्रांति की पहल थी, जो लोगों को सच्ची भक्ति और जीवन के मूल उद्देश्य से परिचित कराती है। इस अभियान में गाँव के बुजुर्गों से लेकर युवा पीढ़ी तक सभी ने गहरी रुचि दिखाई और भविष्य में सत्संग में भाग लेने की इच्छा जताई।यह सेवा निःसंदेह अज्ञानता के अंधकार से निकलकर ज्ञान के प्रकाश की ओर समाज को अग्रसर करने का एक महान प्रयास सिद्ध हो रहा है।

एलईडी के माध्यम से सम्पन्न हुआ सतगुरु रामपाल जी महाराज का जिला स्तरीय सत्संग

शहडोल (म.प्र.), 27 अप्रैल 2025 | जिला शहडोल के बुढ़ार नामदान केंद्र पर संत सतगुरु रामपाल जी महाराज का भव्य सत्संग कार्यक्रम एलईडी टीवी के माध्यम से श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालु सत्संग सुनने पहुंचे।

सत्संग में सतगुरु रामपाल जी महाराज ने वेद, श्रीमद्भगवद्गीता, कुरान, बाइबल जैसे पवित्र शास्त्रों के प्रमाणों के साथ सत्य ज्ञान प्रदान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्ण परमात्मा स्वयं कबीर साहेब हैं और यह तथ्य वेद और गीता में भी प्रमाणित है, जो अब तक लोगों से छुपा रहा। सतगुरु जी ने सृष्टि रचना का रहस्य भी सरल भाषा में समझाया — आत्मा की उत्पत्ति, ब्रह्मांड की संरचना और समस्त सृष्टि के रचयिता की जानकारी वैज्ञानिक और शास्त्रीय दृष्टिकोण से दी।

सत्संग स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क जल, चाय और बिस्किट की सेवा उपलब्ध कराई गई। पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, भक्ति और आध्यात्मिक आनंद का वातावरण बना रहा, जिससे सभी श्रद्धालु गहराई से प्रभावित हुए।

#संतरामपालजी_का_शांति_संदेश हैशटैग के माध्यम से कहा हम देश के साथ

मानवता के दुश्मनों द्वारा देश में जब-जब शांति भंग करने का प्रयास किया जाता है तब-तब संत रामपाल जी शांति और भाईचारे का पैगाम सभी जाति, धर्म के लोगों को देकर देश में पुनः शांति स्थापित करने का प्रयास करते हैं। यही कारण है कि संत रामपाल जी महाराज हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। संत जी ने पहलगाम हमले में शहीदों और पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। बीते रविवार संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक हैशटैग #संतरामपालजी_का_शांति_संदेश जारी किया जो चंद पलों में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, लाखों में पोस्ट के साथ कई घंटों तक पहले नंबर पर बना रहा। संत जी के अनुयायियों ने इस टैग के माध्यम से कहा कि आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है और यह हर रूप में निंदनीय है। उनका संदेश है कि सच्चा इंसान वही है जो दूसरों का भला करे और दुःख न दे क्योंकि हम सभी एक प्रभु के बच्चे हैं "जीव हमारी जाति है, मानव धर्म हमारा। हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई, धर्म नहीं कोई न्यारा।।" पोस्ट में यह भी कहा गया कि हम सभी संत रामपाल जी के समर्थक देश के साथ मजबूती के साथ खड़े हैं।

JOB UPDATE

यूपीपीएससी प्रिंसिपल भर्ती 2025: 21 पदों के लिए आवेदन शुरू

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) ने तकनीकी शिक्षा विभाग में प्रिंसिपल के 21 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। योग्य उम्मीदवार 24 अप्रैल 2025 से 26 मई 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन से पहले https://otr.pariksha.nic.in पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) अनिवार्य है। आवेदन शुल्क सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए ₹125, एससी/एसटी वर्ग के लिए ₹65 और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए ₹25 निर्धारित है। प्रिंसिपल पद के लिए अभ्यर्थियों के पास पीएचडी डिग्री और प्रथम श्रेणी में स्नातक या परास्नातक डिग्री के साथ संबंधित क्षेत्र में अनुभव होना चाहिए। वेतनमान ₹1,31,400 से ₹2,04,700 के बीच रहेगा। उम्मीदवारों की आयु 35 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। महत्वपूर्ण तिथियाँ: आवेदन प्रारंभ: 24 अप्रैल 2025आवेदन अंतिम तिथि: 26 मई 2025 आवेदन सुधार की अंतिम तिथि: 2 जून 2025

वाराणसी में ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर महिला से 1.88 करोड़ की ठगी, इंस्टाग्राम विज्ञापन से बिछाया जाल

वाराणसी | सिगरा थाना क्षेत्र की रहने वाली अंशिता जैन ऑनलाइन ट्रेडिंग के झांसे में आकर 1.88 करोड़ रुपये की ठगी का शिकार हो गई। पीड़िता ने साइबर क्राइम थाना में इसकी शिकायत दर्ज कराई है।अंशिता ने बताया कि 2 मार्च को उन्होंने इंस्टाग्राम पर 'Ask Investment' नामक कंपनी का प्रचार देखा। जानकारी के लिए लिंक पर क्लिक करने पर वे 'Ask Help Desk' नामक व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ीं। वहां ट्रेडिंग से जुड़े फायदे और मुनाफे के बारे में लेक्चर दिए गए। इसके बाद उन्हें 'Ask' नामक एक ऐप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करने को कहा गया।शुरुआत में थोड़ी रकम निवेश करने पर मुनाफा दिखाया गया, जिससे उनका भरोसा बढ़ा। फिर ग्रुप की कोऑर्डिनेटर प्रिया शर्मा के कहने पर 25 मार्च से 17 अप्रैल के बीच विभिन्न बैंक खातों में कुल 1.88 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए गए। जिन खातों में पैसा भेजा गया, उनमें शामिल हैं: मैक ट्रेडिंग (बैंक ऑफ महाराष्ट्र): ₹15.5 लाखमां मोबाइल एंड एसेसिरीज (बंधन बैंक): ₹50 हजार टेक्समेक्स ट्रेडिंग (बैंक ऑफ महाराष्ट्र): ₹3.6 लाख एसके इंटरप्राइजेज (बंधन बैंक): ₹56.72 लाख नालको ट्रेडिंग (बैंक ऑफ महाराष्ट्र): ₹10 लाख मेट्रो ट्रेडिंग (कोटक महिंद्रा बैंक): ₹30 लाख लाइफ हेल्थ केयर (IDFC फर्स्ट बैंक): ₹72 लाख ऐप पर लगातार मुनाफा दिखाया जाता रहा, लेकिन जब पैसे निकालने की कोशिश की गई तो तकनीकी कारणों का हवाला देकर भुगतान रोक दिया गया। संदेह होने पर अंशिता ने तुरंत साइबर थाने में शिकायत दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, यह किसी संगठित साइबर गैंग का काम हो सकता है, जिसमें कई फर्जी बैंक खाते और नामों का इस्तेमाल किया गया है।

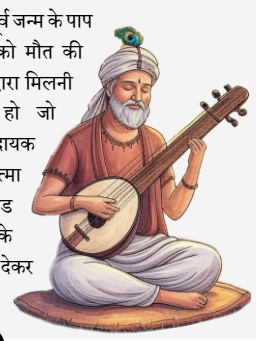

मध्यप्रदेश के सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत, 1 मई से मिल सकेगा मनचाहा ट्रांसफर

भोपाल | मध्यप्रदेश सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में ट्रांसफरों पर लगी रोक हटाने का फैसला लिया गया। अब कर्मचारियों के तबादले 1 से 31 मई 2025 के बीच किए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने बताया कि राज्य सरकार जल्द ही ट्रांसफर पॉलिसी जारी करेगी, जिसमें तबादलों से जुड़ी शर्तों और दिशानिर्देशों का उल्लेख होगा। नए नियमों के तहत कर्मचारियों को अपनी पसंद की जगह पर पोस्टिंग पाने का अवसर मिलेगा। पिछले वर्ष कई कर्मचारियों को नीति के अंतिम समय में लागू होने के कारण इसका लाभ नहीं मिल सका था, लेकिन इस बार उन्हें भी अवसर प्रदान किया जाएगा। सरकारी विभागों में ट्रांसफर प्रक्रिया को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

सत्यज्ञान की मशाल लिए निकले संत रामपाल जी महाराज के अनुयायी

रायसेन, मप्र। आध्यात्मिक जागरूकता फैलाने का महान संकल्प लिए संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों द्वारा रायसेन जिले की तहसील गैरतगंज, बेगमगंज और बाड़ी के गांव गांव में जाकर ज्ञान गंगा तथा गीता तेरा ज्ञान अमृत जैसी दुर्लभ तत्वज्ञान से परिपूर्ण पुस्तकें प्रभु प्रेमी आत्माओं तक पहुँचाई गई। अप्रैल के महीने में एक पल के लिए भी बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है, वहीं दूसरी तरफ संत रामपाल जी महाराज के अनुयायी तेज गर्मी में भी छोटे-छोटे गाँवों में, हर दरवाजे पर जाकर लोगों को वास्तविक आध्यात्मिकता का संदेश दे रहे थे।अनुयायियों ने कहा कि ज्ञान गंगा पुस्तक में बताया गया है कि पूर्ण परमात्मा कौन है, सृष्टि कैसे बनी और मोक्ष का वास्तविक मार्ग क्या है? "ज्ञान गंगा" पुस्तक में वेदों, गीता और पुराणों के प्रमाणों के साथ सृष्टि रचना और मोक्ष प्राप्ति का रहस्य स्पष्ट किया गया है।

संत रामपाल जी महाराज के अनुयायी निःस्वार्थ भाव से समाज को अज्ञानता के अंधकार से निकालने का कार्य कर रहे हैं।सेवा के दौरान 85 पुस्तकें वितरित की गई। कई ग्रामीणों ने इन पुस्तकों को पढ़ने की इच्छा जताई और इस अनुयायियों के इस अद्वितीय प्रयास तथा संघर्ष की सराहना की।

संत रामपाल जी ने किया सृष्टि रचना का रहस्य उजागर और दिया समाज सुधार का संदेश

सिरोही, राजस्थान | पिंडवाड़ा में आयोजित एक दिवसीय सत्संग कार्यक्रम में संत रामपाल जी महाराज ने शास्त्रों के प्रमाणों के साथ सृष्टि रचना के गूढ़ रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने बताया कि सम्पूर्ण सृष्टि की रचना स्वयंभू पूर्ण परमात्मा कबीर साहेब जी ने की है।

त्रुटिवश उत्पन्न 'काल' (ब्रह्म) ने त्रिलोक की रचना कर जीवात्माओं को कर्म बंधन में फंसा दिया है। संत जी ने समाज में फैली कुप्रथाओं जैसे दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या, रिश्वतखोरी, नशाखोरी जैसी बुराइयों से दूर रहने और समाज सुधार में योगदान देने का आह्वान भी किया।

सत्संग आयोजकों आनंद दास पिंडवाड़ा और पदम बाबू दास पिंडवाड़ा ने बताया कि संत रामपाल जी महाराज से नि:शुल्क नाम दीक्षा दी जाती है, जिससे साधक को मोक्ष प्राप्ति का मार्ग मिलता है।

इस कार्यक्रम में सुरेश दास, मोहन दास, जोरा दास, रमेश दास, बेना दास, लक्ष्मण दास, भंवर दास, प्रभु दास, प्रकाश दास, सना दास, नारायण दास, दीपक दास, ध्रुव दास, सोहन दास सहित कई गणमान्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

"कबीर वाणी"

**कबीर,
संत शरण में आने से,
आई टलै बला।
जै भाग्य में सूली हो,
कांटे में टल जाय।।**

भावार्थ: कबीर साहेब जी कहते हैं कि सच्चे गुरु से दीक्षा लेने वाले भक्त/भक्तमति की परमात्मा रक्षा करता है। यदि पूर्व जन्म के पाप के कारण साधक को मौत की सज़ा सूली यंत्र के द्वारा मिलनी भाग्य में लिखी हो जो अत्यधिक पीड़ादायक होती है, तो परमात्मा उस साधक के मृत्युदंड को समाप्त करके छोटा-मोटा दण्ड देकर टाल देता हैं।

कौशांबी में 17 मिनट में संपन्न हुआ दहेज मुक्त विवाह, न कोई बैंड बाजा, न रस्में

कौशांबी (उ.प्र.), 27 अप्रैल 2025 | मुनिन्दर धर्मार्थ ट्रस्ट के तत्वाधान में जगत गुरु संत रामपाल जी महाराज के सानिध्य में उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के म्योहर स्थित अमर पैलेस गेस्ट हाउस में एक दहेज मुक्त रमैनी विवाह सम्पन्न हुआ।

इस विवाह में बैंड बाजा, बराती और किसी भी प्रकार के आडंबर का अभाव था, और महज 17 मिनट में गुरुवाणी के द्वारा यह शादी संपन्न हुई।विवाह में क्षत्रपाल दास (पुत्र छेदीलाल, जिला प्रतापगढ़) और अर्चना दासी (पुत्री शिव प्रताप, जिला कौशांबी) का विवाह हुआ। यह विवाह संत रामपाल जी महाराज के LED TV द्वारा प्रसारित सत्संग के बाद हुआ, जिसमें सभी रस्में सनातन पद्धति के अनुसार पूरी की गई।

इस विवाह में न तो कोई बैंड बाजा था, न ही दहेज का आदान-प्रदान हुआ।इस प्रकार, यह विवाह समाज में दहेज प्रथा को समाप्त करने और एक सकारात्मक संदेश देने का एक आदर्श उदाहरण बना।

संत रामपाल जी के सत्संग में चंडीगढ़ में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

चंडीगढ़, 27 अप्रैल 2025 | रविवार को चंडीगढ़ में संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों द्वारा एक दिवसीय आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शास्त्रों पर आधारित सच्चे भक्ति मार्ग के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। सत्संग में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और संत रामपाल जी के प्रवचनों को प्रोजेक्टर के माध्यम से सुना।

संत रामपाल जी महाराज ने भगवद गीता, वेद, पुराण और अन्य धार्मिक ग्रंथों से प्रमाण देकर बताया कि मनुष्य जीवन का मुख्य उद्देश्य मोक्ष प्राप्ति है, जो केवल शास्त्रानुसार साधना और पूर्ण गुरु की शरण से संभव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भक्ति केवल दिखावे या परंपराओं से नहीं, बल्कि शास्त्रों के अनुसार होनी चाहिए। सत्संग में यह भी बताया गया कि संत रामपाल जी के मार्गदर्शन से लाखों लोग नशा, अंधविश्वास, पाखंड और कुरीतियों से मुक्त हो चुके हैं। कार्यक्रम के अंत में कई श्रद्धालुओं ने नाम दीक्षा ली और भक्ति मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

संत रामपाल जी ने दहेज को बताया मानवता का अपराध

त्रिपुरा, 27 अप्रैल 2025 | त्रिपुरा के उनाकोटी जिले के कुमारघाट स्थित नामदान केंद्र पर रविवार को संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों द्वारा एक दिवसीय सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया गया। LED स्क्रीन के माध्यम से प्रसारित सत्संग में दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया गया।संत रामपाल जी महाराज ने बताया कि दहेज प्रथा समाज को खोखला कर रही है और कई परिवारों को आर्थिक संकट में डालती है। उन्होंने कहा कि सच्चा विवाह प्रेम और समानता पर आधारित होना चाहिए, न कि लेन-देन पर। कबीर साहेब के ज्ञान का हवाला देते हुए संत जी ने कहा कि दहेज मांगना मानवता के विरुद्ध अपराध है।

संत रामपाल जी ने उजागर किया, ज्योति निरंजन का असली इतिहास

उधमपुर (जम्मू-कश्मीर), 27 अप्रैल 2025 | संत रामपाल जी महाराज के सान्निध्य में रविवार को उधमपुर जिले में एक दिवसीय भव्य सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रोजेक्टर के माध्यम से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और संत जी के अमूल्य ज्ञान से लाभ उठाया। सत्संग के दौरान संत रामपाल जी महाराज ने सृष्टि रचना के गूढ़ रहस्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सृष्टि की रचना केवल संयोग नहीं, बल्कि इसके प्रमाण सभी धर्मग्रंथों में मौजूद हैं। संत जी ने सूक्ष्म वेद (कबीर सागर) का हवाला देते हुए कहा कि कबीर परमेश्वर ने पहले एक वचन से 16 द्वीपों और 16 पुत्रों की रचना की।संत रामपाल जी ने आगे बताया कि कबीर परमेश्वर ने जल की एक बूँद से 'क्षर पुरुष' (ज्योति निरंजन/काल) की उत्पत्ति की और उसे 21 ब्रह्माण्डों का स्वामी बनाया। यह विवरण कबीर सागर में है, जिसे अब तक छुपाया गया था। संत जी का उद्देश्य सतयुग समान समाज की स्थापना और सच्चे ज्ञान से मानव जीवन का उद्धार करना है।

बिहार में संत रामपाल जी का सत्संग संपन्न

रविवार, 27 अप्रैल 2025 को बिहार के सुपौल, पश्चिम चम्पारण, औरंगाबाद, गया, वैशाली, गोपालगंज, सीतामढ़ी, मधुबनी, शेखपुरा, लखीसराय और मुंगेर जिलों में संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों द्वारा सत्संग कार्यक्रम आयोजित किए गए। संत रामपाल जी महाराज ने प्रवचनों के माध्यम से बताया कि मनुष्य जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सुख-सुविधाएं नहीं, बल्कि परमात्मा की भक्ति कर मोक्ष प्राप्त करना है। उन्होंने भगवद्गीता, वेद और पुराणों से प्रमाण देते हुए समझाया कि पूर्ण गुरु से शास्त्रानुकूल दीक्षा लेकर ही मुक्ति संभव है। संत जी ने कहा कि शास्त्रविरुद्ध साधना से कुछ प्राप्त नहीं होता, सही साधना ही जीवन को सफल बनाती है। सत्संग में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और कई ने नाम दीक्षा लेकर आध्यात्मिक जीवन प्रारंभ किया।

त्रिगुण भक्ति से मोक्ष संभव नहीं: संत रामपाल जी

झज्जर (हरि.), 27 अप्रैल 2025 | हरी गार्डन, बहादुरगढ़ (झज्जर) में पूज्य संत रामपाल जी महाराज जी के पावन सान्निध्य में एक दिव्य सत्संग का आयोजन प्रोजेक्टर के माध्यम से किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। संत रामपाल जी महाराज ने अपने प्रवचनों में समझाया कि सच्ची भक्ति वही है जो वेदों और गीता जी में बताए गए विधि-विधान के अनुसार हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्रह्मा, विष्णु और शिव — जो रज, सत और तम गुण के प्रतीक हैं — की पूजा मात्र से मोक्ष संभव नहीं है। उन्होंने उदाहरण स्वरूप हिरण्यकश्यप और भस्मासुर की कथाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि त्रिगुणी भक्ति के प्रभाव में आने से जीव जन्म-मरण के चक्र से मुक्त नहीं हो पाते। आज के ढोंगी धर्मगुरु अपूर्ण ज्ञान के कारण जीवों को भटकाते हैं।

संत रामपाल जी महाराज ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे अंधविश्वासों को त्यागकर केवल एकमात्र पूर्ण परमात्मा — कबीर साहेब जी — की भक्ति करें, जिनका प्रमाण वेदों और श्रीमद्भगवद्गीता में भी है।कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और "कबीर परमेश्वर की जय" तथा "संत रामपाल जी महाराज की जय" के नारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया।

संत रामपाल जी का वृद्धाश्रम में हुआ सत्संग, 2 पुण्यात्माओं ने ली नाम दीक्षा

बेंगलुरु (कर्नाटक), 25 अप्रैल 2025 | कर्नाटक राज्य के बेंगलुरु जिले के कलिना अग्रहारा स्थित Shree Shivashakti Ashram Trust (वृद्धा आश्रम) में संत रामपाल जी महाराज का दिव्य सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पावन अवसर पर लगभग 18 श्रद्धालुओं ने भाग लिया और संत रामपाल जी महाराज के आध्यात्मिक उपदेशों से प्रेरित हुए। सत्संग के दौरान 2 पुण्यात्माओं ने नाम दीक्षा ग्रहण की और आध्यात्मिक साधना के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

इसके साथ ही 22 आध्यात्मिक पुस्तकों की सेवा की गई, जिनमें संत रामपाल जी महाराज द्वारा रचित महत्वपूर्ण ग्रंथ शामिल थे। यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सेवा भावना का अद्भुत उदाहरण साबित हुआ। श्रद्धालुओं ने सच्चे ज्ञान को आत्मसात करते हुए मोक्ष प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का वातावरण भक्ति और दिव्यता से परिपूर्ण रहा।

"ज्ञान गंगा" और "जीने की राह" के माध्यम से समाज में आध्यात्मिक जागृति

गुजरात राज्य के विभिन्न जिलों में संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों द्वारा एक विशाल पुस्तक सेवा अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत "ज्ञान गंगा", "जीने की राह" और "गीता तेरा ज्ञान अमृत" जैसी आध्यात्मिक पुस्तकों का घर-घर वितरण किया गया।इन पुस्तकों के माध्यम से शास्त्रों के अनुकूल भक्ति मार्ग, मोक्ष प्राप्ति और सच्चे धर्म का वास्तविक ज्ञान जनता तक पहुँचाया गया। संत रामपाल जी महाराज के सत्संगों के अनुसार, मानव जीवन का उद्देश्य केवल माया संग्रह नहीं, बल्कि भक्ति, दान और परमात्मा की प्राप्ति है।"ज्ञान गंगा" और "जीने की राह" जैसे ग्रंथों के अध्ययन से लाखों लोग नशा, कुरीतियों और अंधविश्वासों से मुक्त होकर सकारात्मक जीवन जी रहे हैं।अनुयायियों का कहना है कि संत रामपाल जी महाराज के ज्ञान का प्रचार कर ही विश्व में शांति और सतयुग जैसी व्यवस्था स्थापित की जा सकती है। इस सेवा के माध्यम से समाज में अध्यात्म की नई चेतना जागृत हो रही है।

संत रामपाल जी महाराज के ज्ञान से समाज में बदलाव की शुरुआत

जांजगीर-चांपा (छ.ग.), 27 अप्रैल 2025 | गांधी भवन चांपा में रविवार को संत रामपाल जी महाराज के सान्निध्य में एक दिवसीय विशाल सत्संग एवं निःशुल्क नाम दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिलेभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए और संत रामपाल जी महाराज के प्रवचनों का श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। संत रामपाल जी महाराज ने अपने प्रवचनों में शास्त्रों के अनुसार सच्चे ज्ञान के महत्व को रेखांकित करते हुए समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे दहेज प्रथा, नशाखोरी और जातिवाद को समाप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने वैश्विक शांति की स्थापना के लिए संत रामपाल जी महाराज के ज्ञान को आवश्यक बताया।संत जी ने फ्रांसीसी भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियों का भी उल्लेख किया और कहा कि उनकी भविष्यवाणियां आज साकार होती दिखाई दे रही हैं। कार्यक्रम के दौरान आयोजित निःशुल्क नाम दीक्षा शिविर में कई श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक मार्ग की ओर पहला कदम बढ़ाया। श्रद्धालुओं ने विश्वास जताया कि संत रामपाल जी महाराज के दिव्य ज्ञान से विश्व में स्थायी शांति की स्थापना संभव है।

संत रामपाल जी ने शास्त्रों से दिखाया मोक्ष का मार्ग

रायगढ़, 27 अप्रैल 2025 | रायगढ़ जिले के घरघोड़ा क्षेत्र में संत रामपाल जी महाराज का सत्संग एलईडी के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। सत्संग के दौरान श्रद्धालुओं को सत्य भक्ति मार्ग का ज्ञान दिया गया।

संत रामपाल जी महाराज ने बताया कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है और इसका मुख्य उद्देश्य मोक्ष प्राप्ति है। उन्होंने शास्त्रों के प्रमाणों के माध्यम से कहा कि पूर्ण परमात्मा को प्राप्त करने के लिए सतगुरु की शरण आवश्यक है। ऋग्वेद, श्रीमद्भगवद गीता और देवी भागवत महापुराण के श्लोकों से प्रमाणित किया गया कि केवल तत्वदर्शी संत की शरण में ही सही ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने सतभक्ति करने और जीवन में बुराइयों को त्यागने का संकल्प लिया।

यह कार्यक्रम आध्यात्मिक जागरूकता और समाज सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

तत्वज्ञान से जागी आध्यात्मिक चेतना

ओडिशा, 27 अप्रैल 2025 | झारसुगुड़ा, कलाहांडी, बरगढ़ और कटक जिलों में संत रामपाल जी महाराज के सत्संग कार्यक्रमों ने आध्यात्मिक चेतना की नई लहर पैदा कर दी। हजारों श्रद्धालुओं ने सत्संग में भाग लेकर परमात्मा की वास्तविक भक्ति का मार्ग जाना।संत रामपाल जी महाराज ने प्रवचनों में पवित्र शास्त्रों के गूढ़ रहस्यों को सरल भाषा में समझाते हुए बताया कि भक्ति का मूल उद्देश्य आत्मा का शुद्धिकरण और मोक्ष प्राप्ति है। उन्होंने समझाया कि सच्ची भक्ति जाति, धर्म और संप्रदाय से ऊपर उठकर सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग है।

सत्संग के दौरान नशा, दहेज प्रथा और अंधविश्वास जैसी सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन पर विशेष बल दिया गया। संत जी ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे दहेज मुक्त विवाहों को बढ़ावा दें और समाज में भाईचारा, करुणा व सच्चाई का वातावरण स्थापित करें।यह आयोजन केवल आध्यात्मिक जागृति का माध्यम नहीं था, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की एक सशक्त प्रेरणा भी बना। श्रद्धालुओं ने सत्संग से प्रभावित होकर अपने जीवन में संत रामपाल जी महाराज के उपदेशों को अपनाने का संकल्प लिया।

नशा छोड़ो, भक्ति अपनाओ: संत रामपाल जी का आह्वान

एस ए न्यूज़। सिक्किम

पाक्योंग (सिक्किम), 27 अप्रैल 2025 | सुंदरता के लिए विश्वप्रसिद्ध सिक्किम में भक्ति की अलख जगाने हेतु संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों द्वारा पाक्योंग जिले के रंगपो स्थित नामदान केंद्र पर एक दिवसीय सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया गया। LED स्क्रीन के माध्यम से हुए इस सत्संग में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।सत्संग के दौरान संत रामपाल जी महाराज ने युवाओं को नशामुक्ति का संदेश देते हुए बताया कि जो व्यक्ति नशा करता है, उसे मरने के बाद 70 बार कुत्ते के जन्म भोगने पड़ते हैं। संत जी ने कबीर साहेब की वाणी का हवाला देते हुए कहा, "मदिरा पीवे कड़वा पानी, सत्तर जन्म श्वान के जानी।" उन्होंने समझाया कि कुत्ते का जीवन अत्यंत दुखद होता है, उसे भोजन तक समय पर नहीं मिलता, इसलिए मानव जीवन को पाकर भक्ति करना अत्यंत आवश्यक है।

सत्संग के बाद श्रद्धालुओं के लिए चाय और बिस्किट की व्यवस्था की गई। प्रदेश सेवादार तुला दास ने बताया कि संत रामपाल जी महाराज के सान्निध्य में आज लाखों लोग नशा छोड़कर एक नैतिक और आध्यात्मिक जीवन जी रहे हैं। उनके द्वारा लिखित 'ज्ञान गंगा' और 'जीने की राह' जैसी पुस्तकें भी इस जागरूकता अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

संत रामपाल जी की पुस्तकों से 30,000 लोगों तक पहुँचा सत्य आध्यात्मिक ज्ञान

तमिलनाडु/केरल | जगतगुरु तत्वदर्शी संत रामपाल जी महाराज के शिष्यों द्वारा दक्षिण भारत के कोल्लम (केरल)) और कन्याकुमारी (तमिलनाडु) में अध्यात्मिक प्रचार हेतु एक विशाल पुस्तक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 30000 आध्यात्मिक पुस्तकों का वितरण किया गया, जिसमें 15000 पुस्तकें कोल्लम और 15000 कन्याकुमारी में वितरित की गई।

संत रामपाल जी महाराज द्वारा लिखित "जीने की राह", "ज्ञान गंगा", "गीता तेरा ज्ञान अमृत" और "भक्ति से भगवान तक" जैसी पुस्तकें मानव कल्याण और आध्यात्मिक जागरूकता का उद्देश्य लेकर वितरित की गई।

इन पुस्तकों के माध्यम से संत जी ने शास्त्रों से प्रमाणित गूढ़ रहस्यों को उजागर किया, जिनसे लोग अब तक अज्ञात थे।इन पुस्तकों में मनुष्य जीवन के उद्देश्य, 84 लाख योनियों का रहस्य, मुक्ति की सही विधि और भक्ति की सही आयु जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। संत रामपाल जी महाराज के अनुसार, गीता अध्याय 4 श्लोक 34 में कहा गया है कि तत्वज्ञान प्राप्त करने के लिए तत्वदर्शी संत की शरण में जाना आवश्यक है।

संत रामपाल जी महाराज का उद्देश्य है शास्त्रों से प्रमाणित भक्ति द्वारा मानवता का कल्याण और समाज सुधार। उनके सानिध्य में नशा मुक्ति, रक्तदान शिविर, दहेज मुक्त विवाह जैसे कई सामाजिक कार्यक्रम आयोजित हो चुके हैं।

संत रामपाल जी का तीखा प्रहार, पाखंड और कुरीतियों पर खुला हमला

गुना (म.प्र.), 27 अप्रैल 2025 | रविवार को गुना जिले के ग्राम गोपालपुरा में संत रामपाल जी महाराज का आध्यात्मिक सत्संग एलसीडी स्क्रीन के माध्यम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने बड़े श्रद्धा और शांति से सत्संग सुना। संत रामपाल जी महाराज ने अपने प्रवचन में मानव कल्याण के लिए विशेष संदेश दिया। उन्होंने ऋग्वेद मंडल 9 सूक्त 20 मंत्र 1 का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि परमात्मा कविर्देव ही हैं और वही सबके रक्षक हैं। इसके साथ ही, ऋग्वेद मंडल 9 सूक्त 82 मंत्र 1 के माध्यम से बताया कि वही परमात्मा पापों का नाश करने वाले और सिंहासन पर विराजमान राजा के समान हैं। सत्संग में संत जी ने पाखंडवाद और सामाजिक कुरीतियों पर भी तीखा प्रहार किया, और लोगों को इनसे दूर रहने का आह्वान किया। सत्संग से प्रेरित होकर कई श्रद्धालुओं ने संत रामपाल जी से नाम दीक्षा ली और सच्ची भक्ति मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

संत रामपाल जी महाराज की शरण में मिला अधूरे जीवन को पूर्णता का वरदान

- संत रामपाल जी महाराज की शरण में, आयु वृद्धि और चमत्कारिक जीवन परिवर्तन की गारंटी !
- जहाँ पारंपरिक पूजा ने निराश किया, वहीं संत रामपाल जी महाराज की भक्ति ने ज़िंदगी संवार दी।
- सत्य भक्ति का चमत्कार: सरकारी नौकरी, संतान सुख और बेहतरीन स्वास्थ्य, सबकुछ संभव !

जगतगुरू तत्वदर्शी संत रामपाल जी महाराज से

निःशुल्क नामदीक्षा

लेने के लिए सम्पर्क करें

+91 74968-01825

Sant Rampal Ji Maharaj

डॉक्टरों ने छोड़ा साथ, कबीर भगवान ने लौटाई सांस :रीना सैनी, पानीपत

मेरा नाम रीना सैनी है। मैं हरियाणा के जिला पानीपत, तहसील मतलौड़ा के गांव भंडारी से हूँ। मैंने 25 मई 2016 को बंदी छोड़ सतगुरु संत रामपाल जी महाराज से नाम दीक्षा ली थी।

नाम दीक्षा से पूर्व की भक्ति साधनाएँ

नाम दीक्षा से पूर्व मैं पारंपरिक रूप से देवी-देवताओं की पूजा करती थी। ब्रह्मा, विष्णु, महेश, दुर्गा माता आदि की उपासना करती थी। सोमवार, गुरुवार और शुक्रवार के व्रत रखती थी। हर रविवार पितृ देवताओं की पूजा करती थी। मैं पितरों के स्नान, पूजा और जोत जलाना जैसे कर्मकांड भी पूरी श्रद्धा से करती थी। लेकिन इन सब साधनाओं के बावजूद भी किसी प्रकार का वास्तविक लाभ प्राप्त नहीं हुआ।

संत रामपाल जी के बारे में कैसे मिली जानकारी?

जब मैं अविवाहित थी, उस समय मैंने ऑपरेशन थिएटर टेक्नीशियन का कोर्स किया था और प्राइवेट हॉस्पिटल में कार्यरत थी। वहीं मेरे सहकर्मी सोमवीर दास जी, जो स्वयं संत रामपाल जी महाराज के भक्त थे, ने मुझे संत जी का सत्संग सुनाया और 'ज्ञान गंगा' पुस्तक भेंट की। जब मैंने 'ज्ञान गंगा' पुस्तक पढ़ी तो मुझे अनुभव हुआ कि यही सच्चा और शास्त्रानुकूल ज्ञान है। इसके बाद मैंने संत रामपाल जी से नाम दीक्षा लेने का निश्चय किया।

नाम दीक्षा लेने के बाद दूर हुईं अनेक परेशानियाँ

पति की पथरी और सीने के दर्द से मुक्ति: मेरे पति को कई वर्षों से पथरी की समस्या थी। डॉक्टर ऑपरेशन की सलाह दे रहे थे, लेकिन संत रामपाल जी महाराज की कृपा से बिना ऑपरेशन के ही उनका स्वास्थ्य ठीक हो गया। इसके अतिरिक्त उनके सीने में होने वाला दर्द, जो काफी गंभीर था, भी संत जी की कृपा से ठीक हो गया।

प्रेगनेंसी में जीवनदान:

मेरी प्रेगनेंसी के शुरुआती महीनों में भारी ब्लीडिंग हुई। दो डॉक्टरों ने मिसकैरेज बताकर सफाई (D & C) की सलाह दी थी। लेकिन मैंने मन ही मन गुरुजी से प्रार्थना की और ट्रीटमेंट लिया। मालिक की कृपा से मेरा बेटा बिल्कुल स्वस्थ जन्मा, और आज वह 5 वर्ष का है।

सास के हार्ट अटैक से चमत्कारिक बचाव: मेरी सास को हार्ट अटैक बताया गया था। डॉक्टरों ने स्टंट डालने और लाखों रुपये खर्च की बात कही थी। मैंने गुरुजी से प्रार्थना की। सभी रिपोर्ट्स नॉर्मल आ गईं और डॉक्टर भी हैरान रह गए।

छोटे बेटे का निमोनिया ठीक होना:

मेरे छोटे बेटे को निमोनिया हो गया था। डॉक्टर ने अस्पताल में भर्ती कर ऑक्सीजन लगाने की सलाह दी थी। लेकिन मैंने घर पर दवाइयों और गुरुजी की प्रार्थना के सहारे इलाज किया। सिर्फ तीन दिनों में वह पूर्णतः स्वस्थ हो गया।

संत रामपाल जी की शरण में आने के बाद सरकारी नौकरी

संत रामपाल जी महाराज की शरण में आने के बाद, मुझे सरकारी नौकरी प्राप्त हुई। वर्तमान में मैं गन्नौर के सिविल हॉस्पिटल में OT टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत हूँ। मेरे पति भी सोनीपत के सिविल हॉस्पिटल में OT टेक्नीशियन हैं।

मेडिकल फील्ड में अनुभव और संत जी के ज्ञान का प्रभाव

हम ऑपरेशन थिएटर में कार्य करते हैं। हर सर्जरी से पहले डॉक्टर अपने-अपने इष्ट देवों को याद करते हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि डॉक्टर केवल ऑपरेशन कर सकते हैं, जीवनदान परमात्मा ही देता है। संत रामपाल जी महाराज वेदों और शास्त्रों के अनुसार पूर्ण ब्रह्म की भक्ति कराते हैं, जो साधक की आयु भी बढ़ा सकते हैं। इसीलिए उनके अनुयायियों को चमत्कारिक लाभ प्राप्त हो रहे हैं।

संत रामपाल जी महाराज से कैसे जुड़ें?

आज संत रामपाल जी महाराज की कृपा से देशभर में 500 से अधिक नामदान केंद्र संचालित हैं। सोशल मीडिया और यूट्यूब पर भी उनकी संपूर्ण जानकारी उपलब्ध है। यूट्यूब पर सत्संग देखने के दौरान नीचे चलने वाले नंबरों पर संपर्क करके, अपने नजदीकी नामदान सेंटर से जुड़कर नाम दीक्षा ली जा सकती है।